NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 12-कंचा (कहानी)

IndCareer
Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 12-कंचा (कहानी)

Class 7: Hindi Chapter 12 solutions. Complete Class 7 Hindi Chapter 12 Notes.

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 12-कंचा (कहानी)

NCERT 7th Hindi Chapter 12, class 7 Hindi Chapter 12 solutions

प्रश्न अभ्यास

कहानी से

1. कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं, तब क्या होता है**?**

उत्तर

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-7th-class-hindi-chapter-12-kancha-kahani/

कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं तब वह उनकी ओर पूरी तरह से सम्मोहित हो जाता है। कंचों का जार का आकार आसमान के समान बहुत ऊँचा हो गया है और वह उसके भीतर अकेला है। वह चारों ओर बिखरे हुए कंचों से मजे से खेल रहा था। मास्टर जी कक्षा में पाठ "रेलगाड़ी" का पढ़ा रहे थे। उसे मास्टरजी द्वारा बनाया गया बॉयलर भी कंचे का जार ही नज़र आता है। इस चक्कर में मास्टर जी से डाँट भी खाई लेकिन उसके दिमाग में केवल कंचों का खेल चल रहा था।

2. दुकानदार और ड्राइवर के सामने अप्पू की क्या स्थिति है**?** वे दोनों उसको देखकर पहले परेशान होते हैं**,** फ़िर हँसतें हैं। कारण बताइए।

उत्तर

दूकानदार ड्राइवर के सामने अप्पू एक छोटा चंचल बालक है। पहले तो दुकानदार उससे परेशान होता है क्योंकि वह कंचों को केवल देख रहा है कहीं उससे जार फूट ना जाए परन्तु अप्पू ने कंचे खरीद लिए तो वह हँस पड़ा। जब अप्पू के कंचे सड़क पर बिखर जाते हैं तो तेज़ रफ़्तार से आती कार का ड्राइवर यह देखकर परेशान हो जाता है कि वह दुर्घटना की परवाह किए बिना, सड़क पर कंचे उठा रहा है परन्तु जैसे ही अप्पू उसे इशारा करके अपना कंचा दिखाता है तो वह उसके कंचे की ओर लगाव देख कर हँसने लगता है। इस तरह वे दोनों उसको देखकर पहले परेशान होते हैं, फ़िर हँसतें हैं।

3. 'मास्टर जी की आवाज़ अब कम ऊँची थी। वे रेलगाड़ी के बारे में बता रहे थे।**'**

मास्टर जी की आवाज़ धीमी क्यों हो गई होगी**?** लिखिए।

उत्तर

शुरुआत में मास्टर जी पाठ पढ़ाने की मुद्रा में थे इसलिए वो ऊँची आवाज़ में बात कर रहे थे परन्तु जब उन्हें लगा कि सब बच्चे उनके पाठ में ध्यानमग्न हो गए तब उन्होंने पाठ समझाने की मुद्रा अपनाई और अपनी आवाज़ को धीमा कर दिया।

पृष्ठ संख्या: 98

1. कहानी से आगेकंचे, गिल्ली**-**डंडा**,** गेंदतड़ी **(**पिट्ठू **)** जैसे गली**-**मोहल्लों के कई खेल ऐसे हैं जो बच्चों में बहुत लोकप्रिय हैं। आपके इलाके में ऐसे कौन**-**कौन से खेल खेले जाते हैं**?** उनकी एक सूची बनाइए।

उत्तर**-**

हमारे इलाके में अब क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, खो-खो, वॉलीबाल, टेनिस आदि अधिक खेले जाते हैं।

2. आप कहानी को क्या शीर्षक देना चाहेंगे**?**

उत्तर

'प्यारा कंचा' क्योंकि इस कहानी में कंचे के प्रति अप्पू के लगाव को दिखाया गया है।

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित मुहावरे किन भावों को प्रकट करते हैं**?** इन भावों से जुड़े दो**-**दो मुहावरे बताइए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. माँ ने दाँतों तले उँगली दबाई।

2. सारी कक्षा साँस रोके हुए उसी तरफ़ देख रही है।

उत्तर

दाँतों तले उँगली दबाई (भाव - आश्चर्य)

आश्चर्य चकित होना - उस मीनार की सुंदरता देखकर मैं आश्चर्य चकित रह गया।

हैरान होना - उसे दौड़ता देख मैं हैरान रह गया।

साँस रोके हुए (भाव - डरना)

भय से काँपना - बाघ को देखते ही वह भय से काँपने लगा।

प्राण सूख जाना - अँधेरा होने से उसके प्राण सूख गए।

2. विशेषण कभी**-**कभी एक से अधिक शब्दों के भी होते हैं। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्से क्रमशः रकम और कंचे के बारे में बताते हैं इसलिए वे विशेषण हैं।

1.पहले कभी किसी ने इतनी बड़ी रकम से कंचे नहीं खरीदे।

2.बढ़िया सफ़ेद गोल कंचे ।

इसी प्रकार कुछ विशेषण नीचे दिए गए हैं इनका प्रयोग कर वाक्य बनाएँ **-**

1. ठंडी अँधेरी रात

2. खट्टी**-**मीठी गोलियाँ

3. ताज़ा स्वादिष्ट भोजन

4. स्वच्छ रंगीन कपड़े

उत्तर

1. आज ठंडी अँधेरी रात में मुझे दर लग रहा है।

2. हमें खट्टी-मीठी गोलियाँ अच्छीं लगती हैं।

3. आज हमें ताज़ा स्वादिष्ट भोजन खाने को मिलेगा।

4. मेरी माँ हमारे लिए स्वच्छ रंगीन कपड़े ले कर आयीं।

Chapterwise NCERT Solutions for Class 7 Hindi :

- Chapter 1- हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)
- Chapter 2-दादी माँ (कहानी)
- Chapter 3-हिमालय की बेटियां (निबंध)
- Chapter 4-कठपुतली (कविता)
- Chapter 5-मिठाईवाला (कहानी)
- Chapter 6-रक्त और हमारा शरीर (निबंध)
- Chapter 7-पापा खो गए (नाटक)
- Chapter 8-शाम-एक किसान (कविता)
- Chapter 9-चिड़िया की बच्ची (कहानी)
- Chapter 10-अपूर्व अनुभव (संस्मरण-जापानी)
- Chapter 11-रहीम के दोहे (कविता)
- Chapter 12-कंचा (कहानी)
- Chapter 13 -एक तिनका (कविता)
- Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)
- Chapter 15-नीलकंठ (रेखाचित्र)
- Chapter 16-भोर और बरखा (कविता)
- Chapter 17-वीर कुँवर सिंह (जीवनी)
- Chapter 18-संघर्ष के कारण मैं तुनकमिज़ाज हो गया: धनराज (साक्षात्कार)
- Chapter 19-आश्रम का अनुमानित व्यय (लेखा-जोखा)
- Chapter 20-विप्लव गायन (कविता

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.